बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 38/2025 **दिनांक-20मई 2025**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(21-25 मई 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 21 से 25 मई के दौरान जिले के एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।**
- **अधिकतम तापमान 36-39 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85-90 प्रतिशत तथा दोपहर में 30-35 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 15-25 किमी/घंटा की रप्तार से दक्षिण पूरबा हवा चल सकती है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
सामान्य सलाह	आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए मक्का तथा अरहर की कटाई एवं दौनी अविलंब संपन्न करके दानों को सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें। खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें एवं खाद, कीटनाशक का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही ठनका की चेतवानी हेतु मोबाइल में '**दामिनी**' एप्प डाऊनलोड करें
धान	लम्बी अवधि वाले धान की किस्में सबौर श्री, राज श्री, MTU 7029 (स्वर्णा), स्वर्णा सब-1 की धान की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाश का व्यवहार करें। अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-1, शक्तिमान-2, राजेन्द्र संकर मक्का-3, गंगा-11 है। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से करें।
मूंग एवं उरद	मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगरानी करें। बचाव हेतुमैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
बागवानी	आम, लीची आदि फलदार वृक्षों के लिए खोदे गये गड्ढों में मिट्टी के साथ अनुशंसित मात्रा में खाद, उर्वरक एवं कीटनाशी देकर ऊपर तक भर देना चाहिए।
सब्जियाँ	ग्रीष्मकालीन सब्जी की निकाई-गुड़ाई एवं फसल सुरक्षा पर ध्यान रखें। बरसाती सब्जी लगा देना चाहिए। बीजस्थली में बरसाती प्याज एन0-53 बीज की बुआई कर दें। वर्षा प्रारंभ होते ही लम्बी अवधि के तैयार बिचड़ों की रोपना शुरू करें। ग्रीष्मकालीन सब्जियों पर फफूंदनाशक दवा का छिड़काव करें।
मछलीपालन	मत्स्य बीज का व्यवसाय करने वाले किसान नर्सरी तालाब को सुखाकर, जोतकर 1000-2000 किलोग्राम गोबर, 50 कि0ग्रा0 चूना प्रति एकड़ की दर से छिड़काव कर तुरंत 1 फिट पानी तालाब में भर दें। 5-7 दिन बाद 5 फिट तालाब में पानी भर कर मत्स्य बीज यानि स्पॉन 20 लाख प्रति एकड़ की दर से संचयन करें।

(डॉ0 नेहा पारीक) वैज्ञानिक (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)	(डॉ0. बीरेंद्र कुमार) नोडल पदाधिकारी (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)